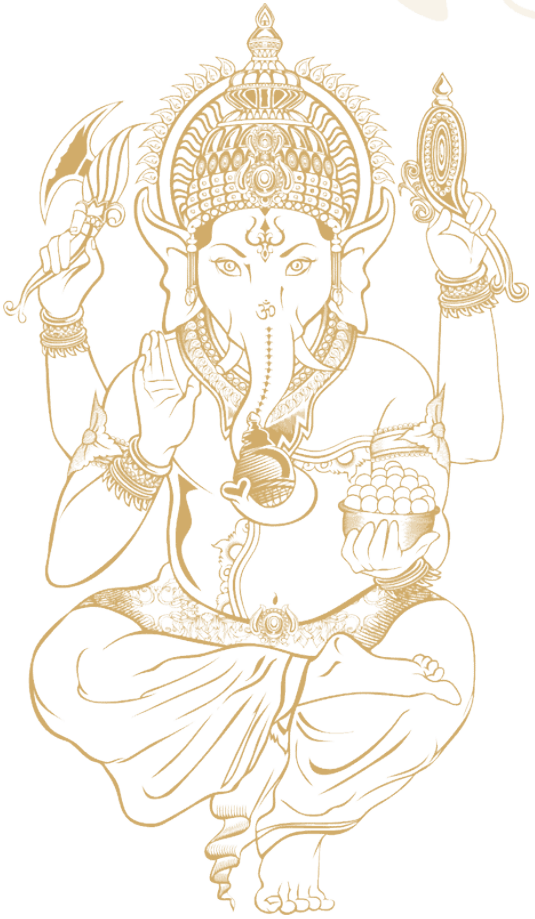

Naitik mali

09 Jun 2005

07:30 PM

Indore

Model: web-freekundliweb

Order No: 121500203

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**09/06/2005**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**19:30:00 घंटे**
इष्ट	34:32:23 घटी
स्थान	**Indore**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	22:42:00 उत्तर
रेखांश	75:54:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:03:36 घंटे
वेलान्तर	00:00:47 घंटे
साम्पातिक काल	12:15:45 घंटे
सूर्योदय	05:41:02 घंटे
सूर्यास्त	19:10:19 घंटे
दिनमान	13:29:17 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	24:53:44 वृष
लग्न के अंश	00:09:02 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**पुनर्वसु - 2**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	वृद्धि
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	मार्जार
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	को-कोमल
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	00:09:02	325:16:15	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	---
सूर्य			वृष	24:53:44	00:57:23	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	शत्रु राशि
चंद्र			मिथु	24:48:07	11:58:50	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	मित्र राशि
मंगल			मीन	04:18:33	00:41:59	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	मित्र राशि
बुध		अ	मिथु	02:28:03	02:07:40	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	केतु	स्वराशि
गुरु			कन्या	15:01:37	00:00:46	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मिथु	13:20:11	01:13:17	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	बुध	मित्र राशि
शनि			कर्क	01:32:24	00:06:45	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	27:03:16	00:10:05	रेवती	4	27	गुरु	बुध	गुरु	सम राशि
केतु	व		कन्या	27:03:16	00:10:05	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष			कुंभ	16:49:17	00:00:16	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	---
नेप	व		मक	23:33:38	00:00:39	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	मंगल	---
प्लूटो	व		वृश्चि	29:22:02	00:01:35	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
दशम भाव			कन्या	10:21:31	--	हस्त	--	13	बुध	चंद्र	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:55:53

लग्न-चलित

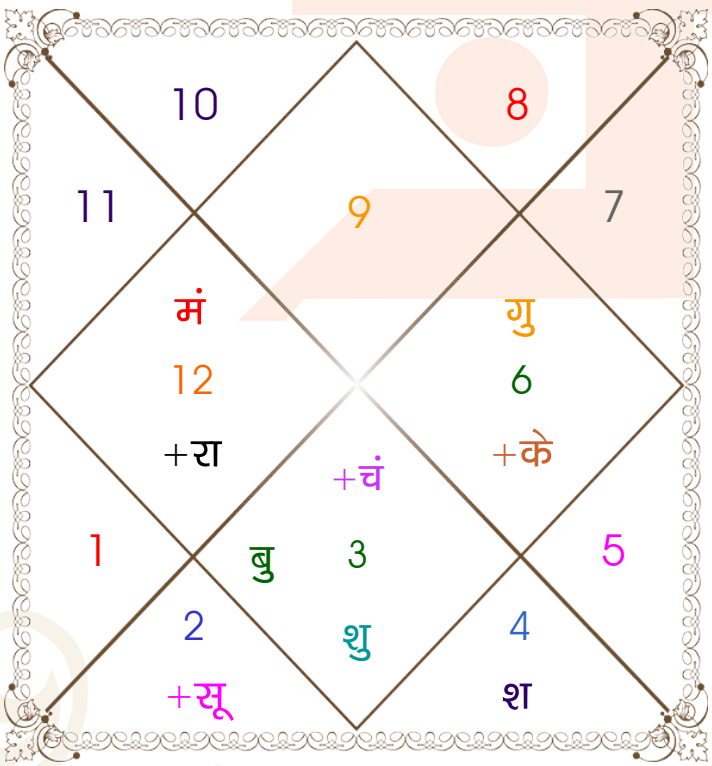

चन्द्र कुंडली

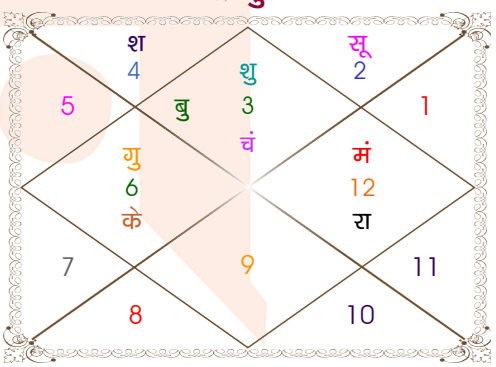

नवमांश कुंडली

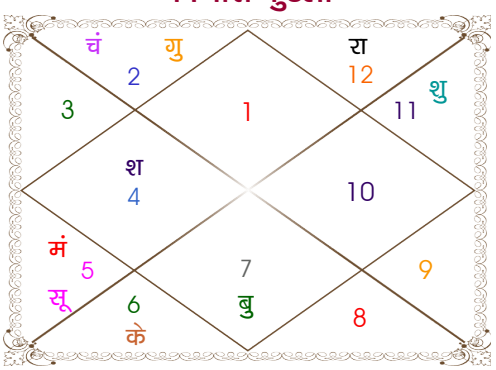

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 10 वर्ष 2 मास 25 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
09/06/2005		05/09/2015		04/09/2034		05/09/2051		04/09/2058	
05/09/2015		04/09/2034		05/09/2051		04/09/2058		04/09/2078	
	00/00/0000	शनि	07/09/2018	बुध	31/01/2037	केतु	01/02/2052	शुक्र	04/01/2062
	09/06/2005	बुध	18/05/2021	केतु	28/01/2038	शुक्र	02/04/2053	सूर्य	04/01/2063
बुध	11/08/2006	केतु	26/06/2022	शुक्र	28/11/2040	सूर्य	08/08/2053	चंद्र	04/09/2064
केतु	18/07/2007	शुक्र	26/08/2025	सूर्य	05/10/2041	चंद्र	09/03/2054	मंगल	04/11/2065
शुक्र	18/03/2010	सूर्य	08/08/2026	चंद्र	06/03/2043	मंगल	05/08/2054	राहु	04/11/2068
सूर्य	04/01/2011	चंद्र	08/03/2028	मंगल	02/03/2044	राहु	23/08/2055	गुरु	06/07/2071
चंद्र	05/05/2012	मंगल	17/04/2029	राहु	20/09/2046	गुरु	29/07/2056	शनि	04/09/2074
मंगल	11/04/2013	राहु	22/02/2032	गुरु	26/12/2048	शनि	07/09/2057	बुध	05/07/2077
राहु	05/09/2015	गुरु	04/09/2034	शनि	05/09/2051	बुध	04/09/2058	केतु	04/09/2078

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
04/09/2078		04/09/2084		04/09/2094		05/09/2101		06/09/2119	
04/09/2084		04/09/2094		05/09/2101		06/09/2119		00/00/0000	
सूर्य	23/12/2078	चंद्र	05/07/2085	मंगल	01/02/2095	राहु	18/05/2104	गुरु	24/10/2121
चंद्र	24/06/2079	मंगल	03/02/2086	राहु	19/02/2096	गुरु	12/10/2106	शनि	06/05/2124
मंगल	29/10/2079	राहु	05/08/2087	गुरु	25/01/2097	शनि	18/08/2109	बुध	10/06/2125
राहु	22/09/2080	गुरु	04/12/2088	शनि	06/03/2098	बुध	06/03/2112		00/00/0000
गुरु	11/07/2081	शनि	06/07/2090	बुध	03/03/2099	केतु	25/03/2113		00/00/0000
शनि	23/06/2082	बुध	05/12/2091	केतु	30/07/2099	शुक्र	25/03/2116		00/00/0000
बुध	30/04/2083	केतु	05/07/2092	शुक्र	29/09/2100	सूर्य	16/02/2117		00/00/0000
केतु	05/09/2083	शुक्र	06/03/2094	सूर्य	04/02/2101	चंद्र	18/08/2118		00/00/0000
शुक्र	04/09/2084	सूर्य	04/09/2094	चंद्र	05/09/2101	मंगल	06/09/2119		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 10 वर्ष 3 मा 2 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म कालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म मूल नक्षत्र के प्रथम चरण में धनु लग्न के उदय काल में हुआ था। आपके जन्म काल धनु लग्न के साथ-साथ मेष का नवमांश एवं धनु राशि का द्रेष्काण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। जन्म प्रभाव से यह दृश्य हो रहा कि आप व्यक्तिगत रूप से शक्तिवान धन-वैभव से संपन्न एवं निश्चिन्तता पूर्वक जीवन यापन करने वाले प्राणी हैं। आपकी कुशाग्र बुद्धिमता के पत्ते का खेल तब प्रारंभ होगा। जबकि आपकी आयु 27 वर्ष की होगी और यह समयावधि 31 वर्ष तक अति अनुकूल प्रतीत हो रहा है। क्योकि उसके बाद ही आपको अच्छी प्रकार यह अनुभव होगा कि अब जीवन पथ पर किस प्रकार चलना चाहिए। इसके बाद ही आपको आर्थिक लाभांश प्राप्ति का सुअवसर प्राप्त भी हो सकता है।

आपके लिए यह शिक्षा ग्राह्यनीय है कि आप अपनी बोली पर नियंत्रण रखें। क्योंकि आप निर्भिकता पूर्वक कटु सत्य बोलते रहते हैं। परंतु यह नहीं सोचते हैं कि बातों का सुनने वालों के मन में क्या प्रतिक्रिया होगी। क्योंकि सत्य सदैव पीड़ा कारक होता है। इस कारणवश आपके अधिकांश मित्र आपकी कटु सत्य विचारों को आत्मसात नहीं कर पाते तथा आपके शत्रु बन जाते हैं। जबकि आपके अभिभावक एवं आपमें भातृ बंधु आपकी अति वाचालिक प्रवृति को पसंद नहीं करते। इस परिस्थिति में आप इस प्रकार विस्तृत बिंदु पर नहीं पहुंच सकते। आप चिंतन कर सकते है कि किसी के भी साथ किस प्रकार निर्वाह करेंगे।

साथ-साथ घरेलू मामले में आपको अपनी भाषा पर अतिशय नियंत्रण रखना चाहिए ताकि गृहस्थ जीवन को अबाधगति से संचलन में कोई व्यवधान उपस्थित न हो। जब आप अपनी संतान के साथ वार्तालाप करें तो सावधानी पूर्वक आचरण करे। आपको अपनी धारणाओं के प्रति सदैव आश्वस्त रहना चाहिए। आप अपनी प्यारी पत्नी एवं अत्ति श्रद्धावान पुत्रों से युक्त अपना समधुर पारिवारिक जीवन बिताएंगे। आप इस प्रकरण को किस प्रकार अनुकूलता प्रदान करेंगे। यह आप की विचार शैली एवं कार्य शैली पर निर्भर करता है।

आप समृद्धिवान होकर स्वास्थ्य जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे। आपकी अत्यधिक अभिरूचि खेलकूद का प्रदर्शन करने एवं वाह्य हाव भाव को दिखाने में रहती है। आप निर्भयता पूर्वक यात्रा करना पसंद करते हैं। इस प्रकार आप अपने समय को घर पर नहीं बिताते है। यह अच्छी बात हैं क्योंकि आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृति के दुष्प्रभाव से लोग बच जाएंगे और घर में किसी भी प्रकार का क्लेशादि नहीं होगा।

आप धार्मिक क्षेत्र में अग्रसर होकर ध्यान मग्न होने के संबंध में उच्च स्तरीय विचार रखते हैं। आप धर्म एवं भारतीय दर्शन के विकास हेतु व्यक्तिगत रूप से पूर्ण रूचिवान होना एक सुअवसर की प्राप्ति का सौभाग्य समझते हैं। आप तीर्थ स्थलों का परिदर्शन करेंगे एवं दान-धर्म में आर्थिक योगदान करेंगे।

आपके जीवन का उत्कृष्ट भाग यह है कि आप अत्युत्तम स्वास्थ्य का आनंद प्राप्त करेंगे। परंतु ऐसा संयोग उपस्थित हो सकता है कि जैसे अस्थमा, जोड़ों का दर्द एवं कोई अंग

प्रत्यंग टूटने जैसे रोगों से आप प्रभावित हो सकते हैं। आपके लिए सरल उपाय यह है कि आप इन रोगों के प्रति सतर्कता बरतें।

धनु राशीय प्रभावानुसार आपके लिए व्यावसायों में अनुकूल व्यवसाय राजनीति है। अन्य दूसरा सुंदर व्यवसाय जन सामान्य के मध्य सुवक्ता, भाषण देने वाला बनें। शिक्षण कार्य, अथवा बैंक की नौकरी भी अनुकूल है। अन्यथा आप धार्मिक कार्य, पराविद्या का ज्ञान, धार्मिक संस्थानों से संबंद्ध भी हो सकते हैं। प्रकाशन संबंधी कार्य भी आपको पारिश्रमिक दिला सकता है। इसके अतिरिक्त व्यवसायिक अन्य क्षेत्रों में विधि विधान, विदाई कार्य, अभियंत्रिकी, ठेकेदारी एवं वैदेशिक व्यवसायिक निर्धारण कार्य उत्तम हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक हैं। कृपया स्पष्टतः अंक 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंगों में प्रतिकूल रंग लाल, काला एवं सफेद रंग है। आप रंग नीला, हरा, मरकत रंग, नारंगी, सफेद एवं क्रीम रंग लाभदायक प्रमाणित होंगे।